[This question paper contains 2 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 6012** **J**

Unique Paper Code : 2052102401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra

Name of the Course : **B.A. (H) – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

**अथवा**

आचार्य कुंतक का योगदान बताते हुए वक्रोक्ति संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (15)

2. 'काव्य हेतु' से क्या तात्पर्य है? भारतीय आचार्यों द्वारा प्रस्तुत काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

P.T.O.

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

'काव्य-लक्षण' का स्वरूप बताते हुए संस्कृत आचार्यो द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षणों पर प्रकाश डालिए। (15)

3. रस के भेद बताते हुए शृंगार रस का विवेचन कीजिये।

**अथवा**

साधारणीकरण का आशय स्पष्ट करते हए विभिन्न आचार्यों के मतों का विवेचन कीजिए। (15)

4. अलंकार किसे कहते हैं? शब्दालंकारों और अर्थलंकारों में भेद बताते हुए एक शब्दालंकार और एक अर्थालंकार का लक्षण उदाहरण सहित बताइए।

**अथवा**

शब्द शक्ति किसे कहते है? व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का उदाहरण सहित निरूपण कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: (10×3=30)

(i) काव्य प्रयोजन

(ii) आचार्य विश्वनाथ

(iii) सवैया एवं घनाक्षरी छंद

(iv) उत्पत्तिवाद

(v) वीर रस

(vi) यमक एवं श्लेष अलंकार

(3700)

...ANUJAN COLLEGE LIBR...
Kalkaji, New Delhi-1100...